कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सुदृढ़िकरण योजना

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में शिक्षण कार्य को रोचक बनाने के उद्देश्य से **कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सुदृढ़िकरण योजना** के अन्तर्गत कक्षा 8 में अध्ययनरत छात्राओं को **टैब** उपलब्ध कराया गया है। विद्यालयों में **वाई–फाई** अधिष्ठापन किया गया है । इसके साथ ही सभी विद्यालयों में **जिम** की स्थापना की गयी है। चूँकि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आवासीय है अतः उसके आधारभूत संरचना की विकास पर भी सरकार प्रयासरत है। सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आवश्यकतानुसार **चहारदीवारी निर्माण** एवं **आवश्यक उपस्कर** की व्यवस्था की गयी है।

विज्ञान संकाय, कला संकाय एवं वाणिज्य संकाय की पढ़ाई

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विज्ञान संकाय, कला संकाय एवं वाणिज्य संकाय की पढ़ाई आरंभ की गई है जिसमें 12502 छात्राएँ लाभांवित हो रही हैं ।

कक्षा 9 से 12 तक उत्क्रमण

राज्य सरकार द्वारा राज्य में 203 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का कक्षा 9 से 12 तक उत्क्रमण। जिसमें 40600 छात्राओं का अतिरिक्त नामांकन ।

झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना

विद्यालयों में बालिकाओं को अधिक से अधिक जोड़ने के लिए **57 वैसे प्रखण्डों**, जो नवसृजित है या जहां पूर्व से के.जी.बी.भी. संचालित नहीं है में राज्य सरकार द्वारा **झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना** की जा रही है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की तर्ज पर इन विद्यालयों में बालिकाओं को आवासीय सुविधा के साथ–साथ निःशुल्क पठन–पाठन प्रदान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2015–16 में कक्षा 6 में 50 बालिकाओं का नामांकन लिया गया है। वर्ष 2016–17 में ये बालिकाएँ कक्षा **VII** में उत्क्रमित हुई तो पुनः कक्षा **VI** में 50 बालिकाओं का नामांकन लिया जा रहा है ।

कम्प्यूटर शिक्षा एवं कम्प्यूटर आधारित शिक्षा

राज्य के लगभग 157 कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालयों में कम्प्यूटर कक्ष की व्यवस्था की गई है । जिसके माध्यम से कम्प्यूटर विषय तथा अन्य विषयों के कठिन प्रसंगों की पढ़ाई कराने का प्रावधान है । वर्तमान में लगभग 191 सरकारी मध्य विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के तर्ज पर कम्प्यूटर कक्ष विकसित करते हुए कम्प्यूटर की सहायता से कम्प्यूटर विषय तथा अन्य विषयों के कटिन प्रसंगों की पढ़ाई कराने की योजना को क्रियान्वित कराया जा रहा है । कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालयों में वाई–फाई, आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति एवं कक्षा 8 में अध्ययनरत् बच्चियों को **टैब** की सुविधा भी प्रदान की गई है ।

जीवन कौशल विकास

पढ़ाई के उपरान्त छात्राएँ अपने कैरियर को लेकर जागरूक हो एवं आत्मनिर्भर हो सके इस उद्देश्य से बालिकाओं के **जीवन कौशल के विकास** के लिए गैर–सरकारी संगठन – Centre for Catalyzing Change के सहयोग से सभी विद्यालयों में तरूण शिक्षा कार्यक्रम ''**उड़ान**'' का संचालन किया जा रहा है। साथ ही साथ **कैरियर परामर्श** हेतु गैर–सरकारी संगठन–Going to School द्वारा ''**Be School**'' एवं NIBM द्वारा ''**आकांक्षा**'' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिसमें छात्राओं के विभिन्न कैरियर से संबंधित परामर्श का आयोजन किया गया है।

पहले 12वीं तक पढ़ाई फिर विदाई

वर्ष 2015–16 में सरकार का मुख्य पहल बालिकाओं का विद्यालय में ठहराव एवं उम्र से पहले विवाह को रोकने हेतु **''पहले 12वीं तक पढ़ाई फिर विदाई''** अभियान की शुरूआत की गई है। इस

अभियान में महिला समाख्या की सहभागिता भी सुनिश्चित की गई है। महिला समाख्या के साथ राज्य स्तर पर बैठक आयोजित की गई थी जिसमें महिला समाख्या में कार्यरत राज्य स्तर से लेकर गांव स्तर तक के कर्मी शामिल थे। महिला समाख्या द्वारा गांव–गांव में इस अभियान को चलाया गया है। महिला समाख्या द्वारा बाल विवाह के रोक–थाम पर कार्य करते हुए वैसे क्षेत्र जहां बाल–विवाह प्रचलित है वहां इसके रोक–थाम के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस अभियान में साक्षरता कर्मी, परियोजना कर्मी भी शामिल है। अभियान के अन्तर्गत समय–समय पर प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक कस्तूरबा विद्यालयों में वाद–विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया है।

बाल समागम

विद्यालय में छात्र– छात्राओं के सर्वांगीण विकास के साथ साथ विद्यालय में बच्चों का ठहराव सुनिश्चित करने हेतु सह शैक्षणिक गतिविधि– **बाल समागम** कार्यक्रम के आयोजन किया जाता है है। जिसमें छात्र– छात्राओं के लिए गतिविधियाँ जैसे –खेलकूद, पेंटिग, सास्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया है। बाल समागम कार्यक्रम विद्यालय, प्रखण्ड, जिला स्तर एवं राज्य स्ता पर किया गया । विद्यालय स्तर पर अध्ययनरत सभी छात्र– छात्राएँ इसमें बड़े उत्साह से भाग लिया। विद्यालय स्तर पर सफल प्रतिभागी प्रखण्ड स्तर पर, प्रखण्ड स्तर पर सफल प्रतिभागी जिला स्तर पर एवं जिला स्तर पर सफल प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कृत हुए।

कस्तूरबा संगम

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षण के साथ–साथ गैर शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने, बालिकाओं में छिपी प्रतिभा की पहचान एवं उसमें सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उनमें गुणात्मक सुधार एवं ज्ञान–विज्ञान, खेल–कूद, कौशल एवं सृजन का अवसर प्रदान करने, हेतु कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए **कस्तूरबा संगम, 2015** का आयोजन गया। कस्तूरबा संगम, 2015 का आयोजन तीन स्तरों यथा – विद्यालय, जिला एवं राज्य पर आयोजित किया गया जिसमें Indoor एवं Outdoor खेल–कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विज्ञान प्रदर्शनी, पेटिंग एवं हस्तकला गतिविधियों को शामिल किया गया था।